

१ वनखा
१ लयदाखी
१ अत्रातिता
१ कर्णवी प्रभा
१ डलनखी
१ वनमात्रिखी
१ कनवत्रखी
१ कयमात्रिखी
१ मूवकानखी

१ श्रीखलु
१ मात्रदा
१ वसिगुपि
१ कवर्द
१ कमुत्रि
१ मत्रमित्र
१ कूकूम
१ गवत्राखी
१ लुनसि॥

७ - मोगलमोहि
पत्र ७ प्र०

64

३४५

१ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ ॐ नमः सर्ववृद्धवाधिमहत्याशा नवावकाशाय
वज्रसत्त्वसत्त्वयकोनायममात्रिप्रोषागे ॥ नागकुनाजस्यमधुलस्यवक्रास्य
॥ यथर्मगुप्तमधुलंकृत्वायन्नागयिसमाकावयत् ॥ ॥ समन्वादनं
मां वृद्धाजसत्त्वादि ॥ ३ ॥ नमावेवावनस्यलनवन
ननागनाजाय ॥ ३ ॥ नन्दवननन्वा सर्वनागसमचित्तासका
किनरुणासंयवनमनवयकम् ॥ सर्वसत्त्वजलनिधायवननन्वा
कादं ॥ ॐ स्वरावगुह्या ॥ सर्ववेम्मी ॥ स्वरावगुह्या ॥ इदं गुनागुह्या नवज
स्वरावात्मका ॥ इदं ॥ दक्षिणदक्षजकायदवन्द्यमधुलं ॥ वामदक्षस्ययमा

१७५५

तुलं॥ उँ वजयदसकाहं॥ उँ वँ जँ जँ वँ हँ॥ उँ॥
 लों मों यों नों जँ अ॥ उँ नागसकलने २ मजी वहुँ
 हटखाहा॥ उँ हँ॥ गिगि॥ उँ हँ॥ डल्लि॥ उँ हँ॥
 कर्हदया॥ उँ हँ॥ वक्रदया॥ उँ हँ॥ नामोत्रधया॥
 उँ हँ॥ मया॥ उँ हँ॥ क॥ उँ हँ॥ दया॥ उँ हँ॥ ना
 ला॥ उँ हँ॥ यु॥ उँ हँ॥ दया॥ उँ हँ॥ गिरायी॥ अ॥
 या॥ उँ अ॥ हँ॥ विकायाधिसान॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ गन्ध ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ धूप ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ दीप ॥

ॐ ज्ञो स्वाहा ॥ बाहु ॥ धूप ॥
वर्हेत धूप वलि के ॥ ॥

ॐ वज्र हस्त हस्त स्वाहा

मनु ताधिष्ठानं कथ्यते ॥

नगादिगन्धर्वनकावयन ॥ ॐ स मृ नि स मृ हँ २ हट ॥ ॐ गृ ह २ हँ २ हट ॥ ॐ गृ ह्रा य य २ हँ २ हट ॥ ॐ ज्ञा न म हा ह
म व न वि श्या ना ज हँ २ हट ॥ मृ टि गो ख ह द व ना का धू नू य हा ख ह दि वि को सि त क म ला ल्य वि सं सृ यो क ह हँ का न नि यो
न ॥ दं ग दि ग व श्वा का व नो न ॥ ॐ म द नि व जि न व ॥ स को ५
ध व म नू य ज सू ना दि न य न्य वे ता न य ग्य न दि द ॥ स द्यो पु द व ग म
न सि ठ ला ख ह द्यो ज ख न वं का व य वि ध म ला ह्री व द्य
न ल्य के न ग्मि ना क ष्य ॥ अ क ष्य ॥ य ना ग र व न ना ग ग द द ॥ अ ग्री व नू य ना ग ना जा स य वि वा ना द द्यो क ष्य ॥ ॥

१३ वडा क्रम ४॥

उँ वज्रयाम् हँ॥

ॐ वज्रस्तुतव ॥

१३ व जा व म दा ॥

ॐ श्री व नृ नाग ना
नाय स्व वि वा नाय
युक् न स्का नाय या द्य
पति क स्वाहा ॥ ॥

受

इव वसुधा यन्निव नृधना
गन्ताना यन्निव विद्वाना य
अर्थं प्रति युखादा ॥ ॥

डैववन सत्कानायश्रीव
 नृयनागनागायसय नि
 वानायश्रीवमनीपुनिकुस
 ल॥ ॥

ॐ वज्रवन्धनागनागाय
वनसंस्कार्यो कर्मण्य
तिष्ठस्वास्त्यसि यत्रिवा नायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ आ ४ व नाग नागाय व
ज व नृ ध नाग नागाय व
ज यू र्ष्य प्रति कृ स्वाहा ॥
म ध्य ॥ ॐ आ ४ व नाग नाग
व व नृ ध नाग नागाय व
ज यू र्ष्य प्रति कृ स्वाहा ॥
ॐ आव ज व नृ ध नाग
नागाय व ज यू र्ष्य प्रति
कृ स्वाहा ॥ ५ ध्य ॥ ॐ वांः
वा ए की नाग नागाय व

जयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ य ॥ ॐ नं न क क नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ द ॥ ॐ कं क काट क नाग नाजाय वजय
स्थायिनिस्तुत्यादा॥ य ॥ ॐ यं य द्य नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ड ॥ ॐ हं ह ह्रयो नाग नाजाय वजयस्थायि
निस्तुत्यादा॥ न ॥ ॐ मं म म्हाय नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ने ॥ ॐ कं क नाग नाजाय वजयस्थायिनि
स्तुत्यादा॥ वा ॥ ॐ गं गं खया नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ०० ॥ न द्वाक य द्वा दल चा नय लि काया म्हा ७
युवो ॥ ॐ गं गं न नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ म ॥ ॐ वं व वृष्ट नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा
॥ द ॥ ॐ वं व वृष्ट नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ द ॥ ॐ सं स सूर्य नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा
॥ वा ॥ ॐ गं गं न नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ वा ॥ द्वाक य द्वा दल चा नय लि काया म्हा ॥ ॥

ॐ मं म विनिक्त नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ द ॥ ॐ मं म शिष्ट नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥
द ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ द ॥ ॐ वं व वृष्ट नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥
वा ॥ या मा स्वर्ग य द व ४ यस्थ र्ग द व स्थ रि वा र्थ य य क मा गु च्छ का या दा नार्थ मिति ॥ न ना नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ॐ ॐ ॐ
ह नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ॥ यग्नि म्हा नाग य लि काया म्हा ॥ ॐ गं गं नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥
स्तुत्यादा॥ ॐ सिं सिं न नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ॐ जं जं न नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ द ॥ ॐ वं व
वृष्ट नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ वा ॥ ॐ गं गं न नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ वा ॥ ॐ द्वा नाग
य लि काया म्हा ॥ ॐ जं जं न नाग नाजाय वजयस्थायिनिस्तुत्यादा॥ ड ॥ ॐ जं जं न नाग नाजाय वजयस्थायिनि

[illegible]